श्री परमहंस रामकृष्ण चालीसा - स्तुति

अंग्रेज़ी भावार्थ के साथ

SHRI PARAMHANS RAMKRISHNA CHALISA – STUTI

WITH ENGLISH TRANSLATION

कवि

POET

डा. यतेन्द्र शर्मा

Dr. Yatendra Sharma

श्री परमहंस रामकृष्ण चालीसा - स्तुति

अंग्रेज़ी भावार्थ के साथ

SHRI PARAMHANS RAMKRISHNA CHALISA – STUTI

WITH ENGLISH TRANSLATION

कवि

POET

डा. यतेन्द्र शर्मा

Dr. Yatendra Sharma

प्रकाशक

श्री राम कथा संस्थान पर्थ

ऑस्ट्रेलिआ – ६०२५

निवेदन

बचपन से ही मुझे भजन, धार्मिक लघु कथायें लिखने तथा पौराणिक कथायों का पद्यान्तरण करने की अभिरुची रही है। बचपन में ही माँ की मृत्यु पश्चात उनकी परम प्रिय सहेली, मेरी मोसी, ने मुझे सम्हाला। मोसी, या कहिये इस युग की मीरा अवतार, ब्रह्ममुहूर्त में जागने से रात्रि शयन तक बस राधा कृष्ण के प्रेम में ही डूबी रहतीं। मेरा कार्य होता था - मोसी के मंदिर में राधा कृष्ण पर पुष्प चढ़ाना, सुबह शाम पूजा में घंटा बजाना, और दोपहर को विद्यालय से आने पर सुख सागर पढ़ना।

व्यस्क होने पर सौभाग्यवस माँ आनंदमयी से निकटता और उनके आदेश पर भगवान शिर्डी साई के संपर्क में आया। पत्नी के श्री राम कृष्ण संस्थान में दीक्षित होने के कारण परम पूज्यनीय श्रद्धेय स्वामी श्री दामोदरानंद जी एवं स्वामी श्री मुक्तिरूपानन्द जी से उनके अल्प समय के लिये हमारे ग्रह निवास के समय संपर्क में रहा। संभवतः इन्हीं सयोंगों ने ग्रहस्थ जीवन के साथ कुछ आध्यात्मिकता के बारे में भी सोचने पर विवश किया।

किसी भी हिन्दू पर्व उत्सव समय पर मेरा कुछ ऐसा प्रयास रहा है कि मैं युवा पीढ़ी को कुछ पर्व के बारे में अपनी कविता के माध्यम से बताऊँ। चैत्र नवरात्री का प्रारंभ हो चुका है। इस बार कुछ ऐसा भाव ह्रदय में आया कि इस नवरात्री के अवसर पर मैं भगवानावतार एवं माँ काली के सर्वश्रेष्ठ भक्त प्रभू श्री रामकृष्ण परमहंस जी के बारे में लिखूं। उनके कुछ उपदेश मैंने कविताबद्ध करने का प्रयास किया है।

पाठकों से कर बद्ध प्रार्थना है कि वह मेरी कविता का छिद्रान्वेषण छंद के व्याकरण एवं मात्रायों के आधार पर ना करें। यह तो बस मेरा प्रेम है जो कविता के रूप में उमड़ पड़ा है, बस उसी भाव से देंखें।

इस “श्री परमहंस रामकृष्ण चालीसा - स्तुति - अंग्रेज़ी भावार्थ के साथ” लिखने के बाद मैं बहुत उत्सुक था कि क्या भगवान श्री परमहंस मेरी यह स्तुति स्वीकार करेंगे? मेरे आदर्श, हिन्दू धर्म निर्देशक, सद्गुरु, पण्डित एवं

सबसे बड़े भगवान राम भक्त श्री गोस्वामी तुलसी दास जी को तो स्वयं भगवान ने प्रत्यक्ष रूप में दर्शन दे कर आशीर्वाद दिया था।

असी घाट के तीर पर, भई संतन की भीड़,
तुलसीदास चंदन घिसें तिलक देत रघुवीर।

क्या मेरे प्रभू श्री परमहंस जी मुझे कोई संकेत देंगे कि उन्होने मेरी स्तुति और उसके भाव स्वीकारे हैं? यही सोच कर मैं कल रात्रि सोने गया। सोने का भरसक प्रयास कर रहा था कि संभवतः तभी निंद्रा देवी ने मुझे अपना आगोश में ले लिया।

"यह मैं किस कंदरा में प्रवेश कर रहा हूं? यहाँ तो केवल ठंड और अंधेरापन ही है। फिर मैं इस अंधेरे की ओर क्यूँ अग्रसर हो रहा हूं? देखता हूं कि कोई एक छाया मेरे समीप आ रही है। 'बड़ी ठंड लग रही है ना वत्स, लो यह मेरा वस्त्र पहनलो' और वह छाया अपना कोई शॉल जैसा वस्त्र मेरे ऊपर डाल देती है। कौन है यह महापुरुष जो अपने स्वास्थ्य की चिंता किये बिना मेरे ठंड की परवाह कर रहा है? ठंड, थकान एवं कुंठा से व्यथित होते हुए भी मेरा हृदय यह जानने को अत्यंत उत्सुक है। मैं इस छाया के पीछे धीरे धीरे चलना प्रारम्भ करता हूं। यह क्या! इस कंदरा के गर्भ में प्रकाश! मैं विस्मित हो जाता हूं! ध्यान से इन महापुरुष के चेहरे को देखते हुए उन्हें पहचानने का प्रयास कर रहा हूं। क्या यह सत्य है! भगवान श्री रामकृष्ण परमहंस जी महाराज स्वयं मेरे सामने यहाँ उपस्थित हैं! विस्मय से मेरा मुख खुला का खुला रह जाता है। मैं उनके चरण छूने को झुकता हूं, लेकिन वह अंधेरे में लुप्त हो जाते हैं। भगवन् भगवन्! चीखते हुए मैं इस छाया के पीछे भागने का प्रयास करता हूं, कि मेरी आंख खुल जाती है।"

जागने पर मैं इस स्वप्न का विश्लेषण करने लगता हूं। यह तो वही स्वप्न है जो कुछ वर्ष पहले मुझे भगवान ने दिया था। उसी स्वप्न की पुनःआवृती। इसका क्या कारण हो सकता है? ओह, यही तो भगवान ने संकेत दिया है मेरी स्तुति को स्वीकारने का! मेरे रोंगटे खड़े हो जाते हैं तथा अश्रू धार निकल पड़ती है!

श्री परमहंस रामकृष्ण चालीसा - स्तुति

अंग्रेज़ी भावार्थ के साथ

SHRI PARAMHANS RAMKRISHNA CHALISA – STUTI
WITH ENGLISH TRANSLATION

सन अट्ठारह छत्तीश, अट्ठारह फरवरी दिन।
जन्मे परमहंस तब, उत्सव मनाएं देवगन॥

१८३६ ईश्वी को १८ फरवरी के दिन परमहंस जी का जन्म हुआ। उनके जन्म पर सभी देवता गानों ने उत्सव मनाया।

Paramhans incarnated on 18th February 1836. All demigods celebrated His birth.

नमः नमः श्री प्रभू परमहंस, वंदित परम भगवान अंश। (१)
नमः नमः श्री प्रभू परमहंस …….....

पूज्यनीय भगवान के अवतार श्री प्रभू परमहंस जी मैं आपको नमन करता हूँ।

Revered incarnation of God, Shree Prabhu Paramhansji, I offer my obeisance to you.

व्यापी विश्व सतपंथ दर्शिता, जीवतत्व ज्ञान समाहिता। (२)
नमः नमः श्री प्रभू परमहंस …….....

प्रभू आप विश्वव्यापी सत्य पथ के दर्शिता हैं, *जिसमें जीवन का तत्व समाहित है।*

Of God, You have enlightened us the true path, explains the elements of the life.

नमः नमः श्री महा गुरुजन, अवतरण दी आत्म शिक्षन। (३)
नमः नमः श्री प्रभू परमहंस ……..

हे महागुरू मैं अपको नमन करता हूँ। आपने आध्यात्मिक ज्ञान देने के लिये ही अवतार धारण किया है।

Oh my Spiritual Master, I pay my obeisance to you. You incarnated to give us knowledge of Spirituality.

जगद्गुरु लो अपनी शरण, हृदय समाहित कमल चरण। (४)
नमः नमः श्री प्रभू परमहंस ...……..

हे जगद्गुरु मुझे अपनी शरण में लीजिए। आपके चरण कमल सदैव मेरे हृदय में निवास करें।

Of God, I pray for your blessings. Your lotus feet always be seated in my heart.

नमः नमः हे मूर्ति दिव्य, ध्यान प्रभु दे सुख सत्य। (५)
नमः नमः श्री प्रभू परमहंस ....

हे पवित्र देव, मैं आपको नमन करता हूँ। आपका ध्यान सत्यता एवं सुख प्रदान करने वाला है।

Oh divine Lord, I pay my obeisance to You. You are the provider of truth and happiness..

अधिपति विश्व पालनकर्ता, शांती दायक चिन्त निवार्ता। (६)
नमः नमः श्री प्रभू परमहंस..

हे भगवन आप विश्व के स्वामी एवं पालन करता हैं। आप शांतीदायक एवं चिन्तायों का हरण करने वाले हैं।

Of God, You are the Lord of this Universe and nourish this whole world. You provide peace and take away all the worries.

नमः माँ दिव्य अपर्णा, शारदा विश्व अन्नपूर्णा । (७)
नमः नमः श्री प्रभू परमहंस .....

हे पवित्र देवी माँ शारदा, अन्नपूर्णा माँ अवतार, मैं आपको नमन करता हूँ।

Oh Divine Goddess Mother Sharada, incarnation of Mother Annapoorna, I pay my obeisance to You.

अवतरित मां भक्त रक्षन, आवरित कवच दूर कष्टन। (८)
नमः नमः श्री प्रभू परमहंस .....

माँ भक्तों की रक्षा हेतू अवतरित हुई हैं। भक्तों के कष्ट निवारण हेतु माँ आपने उनपर कवच चढ़ाया हुआ है।

Mother is incarnated to protect Her devotees. She has shields her devotees from any difficulties/ obstacles.

नमः नमः श्री विवेकानंदन, अवतरित स्वयं शिव भगवन। (९)
नमः नमः श्री प्रभू परमहंस .....

हे भगवान शिव के अंश स्वामी श्री विवेकानंद जी, मैं आपको नमन करता हूँ।

Oh, Shivaansh Shree Swami Vivekanand ji, I pay my obeisance to You.

प्रिय शिष्य देव परमहंसन, प्रकाशित कियो चारों भुवन। (१०)
नमः नमः श्री प्रभू परमहंस .....

हे परमहंस भगवान के परम प्रिय शिष्य स्वामी विवेकानंद जी, आपने समस्त ब्रह्माण्ड को प्रकाशित किया है।

Oh Shree Swami Vivekanand ji, the most dear disciple of Paramhans Bhagwaan, You have enlightened the whole Universe.

परमदेव शरणागत हम जन, प्रेरित करो प्रभु उत्तम कर्मन। (११)
नमः नमः श्री प्रभू परमहंस ….....

हे मेरे परम हे परम प्रभु, हम आपके शरणागत हैं। हमें उत्तम कार्यों के लिये प्रेरित करो।

Oh my Divine Lord, protect me and encourage me to always do the noble deeds.

सलंग्न शुभ कार्य भगवन, हों शुभ फलयुक्त प्रयत्न। (१२)
नमः नमः श्री प्रभू परमहंस .....

हे भगवन, मैं सदैव उत्तम कार्य करने का प्रयास करता रहूं, एवं मेरे प्रयत्न शुभ फलयुक्त हों।

Oh God, bless me so I continue to make efforts to do good deeds and my all efforts are fruitful.

स्वरसंगति सदैव विराजन, सुख शान्ति रहे मेरे आँगन। (१३)
नमः नमः श्री प्रभू परमहंस .....

हे प्रभू, मेरे हृदय में सदैव मधुर सम्बंध एवं प्रेम की अभिलाषा रहे। मेरे आंगन में प्रभु सदैव सुख एवं शांती बनी रहे।

Oh Lord bless me so that I always desire for harmony and love. Happiness and peace be always in my home.

सत्य सदैव हिय अनुसरन, असत्य सर्वथा दूर कोसन। (१४)
नमः नमः श्री प्रभू परमहंस.....

हे भगवन, सत्य मेरे हृदय में सदैव बास करे और मैं असत्य से कोसों दूर रहूं।

Oh Lord, bless me so truth always resides in my heart, and I always be far away from untruth.

निःसन्देह कर्म फल पावन, तेज प्रभू सब पाप नसावन। (१५)
नमः नमः श्री प्रभू परमहंस .....

निःसंदेह हमें अपने कर्मों का फल अवश्य भोगना पड़ता है। अपने तेज से प्रभु हमारे पापों को नष्ट कर दीजिये।

No doubt we have to reap the fruits of our deeds. My Lord, destroy all our sins by your radiance.

करूं कृत्य मैं चरण समर्पण, विनती प्रभू दाह बचावन। (१६)
नमः नमः श्री प्रभू परमहंस .....

हे प्रभु मैं अपने सभी कर्म आपको समर्पित करता हूँ। मुझे पाप की अग्नि से बचायो प्रभु।

Oh Lord, I surrender all my deeds to You. Kindly save me from the fire of sins.

ईश्वर अनंत ऊर्जा धारण, शक्ति साहस सहन समाहन। (१७)
नमः नमः श्री प्रभू परमहंस .....

हे भगवन, आप अनन्त ऊर्जा, शक्ती, धैर्य एवं साहस युक्त हैं।

Oh Lord, You have infinite energy, power, patience and courage.

करो प्रदान सदगुण भगवन, करें करम समाज हितजन। (१८)
नमः नमः श्री प्रभू परमहंस ….....

हे भगवन मुझे सद्गुण क्षमता प्रदान करें ताकि मैं समाज हित सेवा कर सकूं।

Oh my Lord, bless me with qualities of virtues so that I can render my services to the humanity.

अन्त असित ओज अग्रसन, बोध आत्म अमरत्व गमन। (१९)
नमः नमः श्री प्रभू परमहंस .....

हे प्रभु मुझे अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलो और मुझे आत्मा के अमृत्य का बोध करायो।

Oh my Lord, lead me to the enlightenment and give me knowledge of Atma.

प्रभु हों अवरोध समापन, सफल सभी प्रयास भगवन। (२०)
नमः नमः श्री प्रभू परमहंस .....

हे प्रभु मेरी सभी कठिनाईओं को समाप्त करो और आशीर्वाद दो मेरे सभी प्रयास सफल हों।

Oh Lord, remove all my obstacles and bless me that all my efforts be successful.

ज्ञान परिहार मोह भ्रम, जानें जीवन लक्ष्य मर्म। (२१)
नमः नमः श्री प्रभू परमहंस .....

हे भगवन हमें ऐसा ज्ञान दीजिये जिससे हम मोह माया से दूर रहें और जीवन लक्ष्य की प्राप्ति करें।

Oh my Lord, give me knowledge so we keep away from illusion and obtain the aim of the life.

प्रभु एक ज्ञान तुम दीना, समझे पृथक वह ज्ञानविहीना। (२२)
नमः नमः श्री प्रभू परमहंस .....

आपने एक प्रभु का ज्ञान दिया है। जो इसे अलग अलग समझता है वह मूर्ख है।

Oh my Lord you have enlightened us with the concept of the unity of Universe. Who thinks it to be otherwise, is a fool.

स्वर-संगति अति श्रेष्ठा, मानवता तू जान प्रेष्ठा। (२३)
नमः नमः श्री प्रभू परमहंस .....

हे प्रभु सामंजस्य की श्रेष्ठता का ज्ञान देते हुए आपने मानव प्रेम को अति उत्तम बतलाया है।

Oh Lord, you have taught us that harmony and humanity is the best way to lead the life.

सर्वोच्च ज्ञान प्रभु दीना, सुख शान्ति हिय आसीना। (२४)
नमः नमः श्री प्रभू परमहंस .....

हे प्रभु आपने सर्वोच्च ज्ञान दिया है जिसे से हृदय में सुख एवं शान्ति का निवास रहता है।

Oh Lord, You have given us the best knowledge which provides happiness and peace in the heart.

प्रेम ही नियति संसारा, प्रेम मिटाए जीवन आरा। (२५)
नमः नमः श्री प्रभू परमहंस .....

हे प्रभु निःसंदेह प्रेम ही ब्रह्माण्ड में निहित है और प्रेम ही जीवन के कष्ट मिटाता है।

Oh Lord, your teachings that love is embodied in the Universe and love is eradicates all the troubles, are well founded.

प्रेम सों हो सुगधित मन, प्रेम दे रचनात्मक जीवन। (२६)
नमः नमः श्री प्रभू परमहंस .....

निःसंदेह प्रभु, प्रेम ही जीवन को पुष्पमय बनाता है और प्रेम ही जीवन में रचनात्मिकता लाता है।

Oh Lord, no doubt love makes life beautiful and constructive.

प्रेम भावना दे समर्पन, प्रेम ना चाहे प्रतिफलन। (२७)
नमः नमः श्री प्रभू परमहंस .....

प्रेम समर्पण एक निःस्वार्थ भावना से जुड़ा है। प्रेम को कोई बदला नहीं चाहिये।

Love is unselfish and does not demand any retributions.

प्रेम ही दे भयमुक्त जीवन, प्रेम कराए भगवददर्शन। (२८)
नमः नमः श्री प्रभू परमहंस .....

प्रेम जीवन को भयमुक्त बनाता है एवं भगवददर्शन कराता है।

Love makes life fearless and makes God realization.

प्रेम ही दे जीवन सजीवता, प्रेम करे दूर सब चिंता। (२९)
नमः नमः श्री प्रभू परमहंस .....

प्रेम ही जीवन को भाग्यशाली बनाता है। प्रेम से ही समस्त बाधायों का नाश होता है।

Love makes life fortunate and removes all the obstacles.

प्रेम सों हो विश्व संगठित, प्रेम जहां वहां स्वर्ग स्थिति। (३०)
नमः नमः श्री प्रभू परमहंस .....

प्रेम ही विश्व को संगठित करता है। जहां प्रेम वहां स्वर्ग।

Love unites the Universe. Love makes heavenly life.

विश्व प्रेम तुम्हरो शिक्षन, हो सदैव व्यापक प्रेम मन। (३१)
नमः नमः श्री प्रभू परमहंस .....

समस्त संसार से प्रेम करो, यही आपकी शिक्षा है। हे भगवन हमें आशीर्वाद दें - प्रेम हमारे हृदय में सदैव स्थापित रहे।

Spread the love in the Universe, is your greatest teaching. Bless us Lord that love always remains in our hearts.

हो ना हृदय कामुकताधारन, बसे प्रेम सदैव निःस्वार्थन। (३२)
नमः नमः श्री प्रभू परमहंस .....

हे भगवन, हमें आशीर्वाद दो कि हम कामुकता त्याग निःस्वार्थ प्रेम को अपने जीवन का लक्ष्य बनायें।

Oh Lord bless us that love be part of unselfish attitude of life, leaving lust and other selfish attitudes.

होय हिय शिशु सम अबोधा, जीवन कुटिल होय दुर्बोधा।। (३३)
नमः नमः श्री प्रभू परमहंस .....

हे प्रभू, शिशु सम जीवन की आपकी शिक्षा को हम हृदय धारण करें। कुटिल का जीवन तो अभिशापित ही होता है।

Oh Lord, bless us that we adopt a simple life style like a child. We know that the life of a crooked person is always full of problems.

सत्य मधुर बोलें जब शब्दन, कृपा करें ईश्वर और संतन्। (३४)
नमः नमः श्री प्रभू परमहंस .....

हे प्रभु, हमें आशीर्वाद दें कि जीवन में हम सदैव मधुर सत्य वचन ही बोलें। मधुर सत्य वचन से ही भगवान और संत प्रसन्न होते हैं।

Of Lord bless us that we always speak kind words with truth. God and saints are pleased with true but kind words.

सुख शांति दे शुद्ध मन, श्रुति वर्णित संस्कारी लक्षन। (३५)
नमः नमः श्री प्रभू परमहंस .....

हे भगवन, शुद्ध हृदय सुख और शान्ति प्रदान करता है। श्रुति वर्णित करती है कि (शुद्ध मन) ही संस्कारी व्यक्तियों के लक्षण हैं।

Oh Lord, pure heart gives happiness and peace. Scripture states that this (pure heart) is the virtue of the cultured people.

दो आशीष करें शुभ कर्मा, कटें कष्ट पूर्ण सब अरमा। (३६)
नमः नमः श्री प्रभू परमहंस .....

हे प्रभु, आशीर्वाद दो कि हम सदैव शुभ कर्म ही करें। हंमारे कर्मों से कष्ट दूर हो तथा हमारी इक्षाओं की पूर्ती हो।

Oh Lord, lead us to do only good deeds. Bless us that our deeds eradicates our troubles and fulfil our desires.

भाव हमार सदैव उच्चतम, जीवन सदैव सक्रिय उत्तम। (३७)
नमः नमः श्री प्रभू परमहंस.....

हे भगवन, हमें आशीर्वाद दो कि हंमारी भावनाएं सब के प्रति सदैव उच्च हों। हमारा जीवन सदैव उत्तम कार्यों में सक्रिय रहे।

Oh Lord bless us that we always have good feelings towards all, and we be constructively active throughout our lives.

दया भाव प्रति प्राणीजन, दया दया सदैव हिय वासन। (३८)
नमः नमः श्री प्रभू परमहंस .....

हे प्रभु, हम समस्त जीवों ओर प्राणीयोँ में दया भाव रखें। हृदय में दया के अतिरिक्त और कोई भावना नहीं हो।

Oh Lord bless us that we be kind to all living beings. There be no feeling in the heart other than kindness.

सदैव स्वच्छ हो अंतःकरण, सत्यधाम पाएं जब मरण। (३९)
नमः नमः श्री प्रभू परमहंस .....

हे भगवन, हमारा अंतःकरण हमेशा स्वच्छ रहे। मरण पर हम प्रभु आपका धाम पाएं।

Bless us Lord that our inner conscience is always pure and we get salvatrion on death.

माया ममता हो उत्सादन, बने यही पथ उन्नति कारन। (४०)
नमः नमः श्री प्रभू परमहंस .....

हे प्रभु, माया ममता का सम्पूर्ण विनाश हो, और यही विचार हमारे जीवन की उन्नति का कारण बने।

Of Lord, bless us that there is no illusiuion in our lives and that becomes the way to progress towards higher goal.

आशीष दो हे परमहंस, श्रद्धा चालीसा पठन।
मन पुलकित तन शुद्ध, पाएं ज्ञान हिय प्रबुद्ध॥

हे प्रभू परमहंस आशीर्वाद दो जो इस चालीसा को श्रद्धा एवं प्रेम से पठन या श्रवण करे, उस पर आपकी कृपा रहे। उसका हृदय पुलकित रहे तथा उसे आत्मिक ग्यान प्राप्त हो।

Oh Lord Shree Paramhans, bless the persons who read or listen this Chalisa with faith. The hearts of readers and listeners be always filled with happiness and they attain spiritual knowledge.